

डॉ. जेफरी हडॉन, बाइबिल पुरातत्व, सत्र 5, भौगोलिक क्षेत्र, भाग 1

© 2024 जेफरी हडन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. जेफरी हडॉन और बाइबिल पुरातत्व पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 5, भौगोलिक क्षेत्र, भाग 1 है।

पुरातात्विक रूप से प्रमाणित पुरातात्विक स्थल और घटनाएँ शून्य में घटित नहीं होती हैं।

पुरातत्व को समझने के लिए हमें भूमि और भौगोलिक संदर्भ को समझना होगा। इसलिए, हम कुछ समय लेंगे और पुरातत्व के भौगोलिक संदर्भ को देखेंगे, जो बाइबिल की भूमि है। निःसंदेह, यह जैतून पर्वत से यरूशलेम की एक सुंदर तस्वीर है, जो वहां का एक बहुत ही विशिष्ट दृश्य या दृश्य है।

बाइबिल की भूमि दुनिया भर में विश्वासियों के लिए निकट और प्रिय है, लेकिन यदि आप यहूदी हैं तो यह विशेष रूप से प्रासंगिक है। और यहां थोड़ा सा आधुनिक इतिहास, यहूदी आप्रवासन की लहरें, ओलिम जो 19वीं और 20वीं शताब्दी के अंत में आए और अलियाह को भूमि पर ले आए, फिर से यूरोप से, मध्य पूर्व से, अफ्रीका से आए। पहली चीजों में से एक जो सब्रास, यहूदी जो अभी भी पवित्र भूमि में रहते थे, पवित्र भूमि में पैदा हुए थे, उन्होंने यह किया कि वे उन्हें भ्रमण पर ले जाएंगे।

और इन भ्रमणों को येदियत हारेत्ज़, या भूमि का ज्ञान कहा जाता था। यह बहुत सफल रहा क्योंकि इसने लोगों और उनकी नई भूमि के बीच एक बहुत मजबूत बंधन बनाया, क्योंकि वे सचमुच घर आ रहे थे। और इसलिए, इज़राइलियों के लिए, कम से कम, फिर से, इज़राइल राज्य की स्थापना से पहले यहूदी, और अब इज़राइलियों के लिए, भूमि के साथ संबंध बहुत, बहुत महत्वपूर्ण है।

और यहां आपके पास कुछ सामग्रियां हैं जिनका उपयोग यहूदी एजेंसी और बाद में इज़राइल सरकार ने हाल के आप्रवासियों को भूमि पर लाने के लिए किया था। अब, कुछ विद्वान और कुछ शिक्षक थे जो न केवल यहूदियों और अप्रवासियों की मदद करने में बल्कि अकादमिक स्तर पर, भूमि के अध्ययन में भी सहायक थे। और ऊपर दाईं ओर इनमें से कुछ को इंगित करने के लिए माइकल एविओना हैं, जो शिक्षित थे और उन्होंने वास्तव में अपनी पीएच.डी. प्राप्त की थी। इंग्लैंड में, लेकिन वह शास्त्रीय काल, ग्रीको-रोमन काल, बीजान्टिन काल के एक अविश्वसनीय विद्वान होने के साथ-साथ एक ऐतिहासिक भूगोलवेत्ता भी थे।

उन्होंने पहले हिब्रू में और फिर अंग्रेजी में द होली लैंड नामक पुस्तक लिखी। यह मूल रूप से फ़ारसी काल से लेकर इस्लाम के उदय तक का ऐतिहासिक भूगोल है। नीचे दाहिनी ओर दूसरे सज्जन बेंजामिन मज़ार हैं।

वह एक पुराने नियम के विद्वान थे, जिन्होंने 1920 के दशक में अलियाह को इज़राइल बनाया और अंततः हिब्रू विश्वविद्यालय के अध्यक्ष के रूप में नेतृत्व किया। लेकिन वह एक उत्कृष्ट विद्वान, पुरातत्वविद् और ऐतिहासिक भूगोलवेत्ता थे। और यह इज़राइल की भूमि में पुरातात्विक अनुसंधान के इतिहास पर उनका हिब्रू कार्य है।

उनके छात्र, मजार और एवियोना के छात्र, फिर से, भूमि के अध्ययन में सबसे आगे, सबसे पहले और सबसे आगे बन गए। और फिर, इसे ऐतिहासिक भूगोल का अध्ययन कहा जाता है, क्योंकि जब आप इतिहास और पुरातत्व और पुरातात्विक स्थलों और खंडहरों को समझने की कोशिश करते हैं तो विभिन्न विषयों का उपयोग करते हैं, आपको उन्हें संदर्भ में रखना होगा। और ये लोग यह करना बहुत अच्छी तरह से जानते थे।

उनकी कई तस्वीरों वाला व्यक्ति योहानन अहरोनी है, जो मजार का छात्र था और उसने अभी भी लोकप्रिय पाठ्यपुस्तक द लैंड ऑफ द बाइबल लिखी थी, जो मूल रूप से एवियोना के केवल पहले के समय, पुराने नियम के काल का एक साथी खंड था। वहां उनके छात्र एंसन एफ. रेनी थे। जब मैं इज़राइल में छात्र था तो वह वास्तव में मेरे सलाहकार थे।

वह, फिर से, एक शानदार बाइबिल विद्वान, पुरातत्वविद् और ऐतिहासिक भूगोलवेत्ता, अविश्वसनीय भाषाविद् थे। और जो कोई भी इसमें रुचि रखता है, मुझे इसके लिए कोई पैसा नहीं मिलता है। लेकिन ये दो उत्कृष्ट एटलस हैं जो वास्तव में अत्याधुनिक हैं।

सेक्रेड ब्रिज और ओल्डर कार्टा बाइबिल एटलस, फिर से अहरोनी और रेनी द्वारा, बहुत, बहुत अच्छी तरह से प्राप्त हुए हैं और बड़े पैमाने पर उपयोग किए जाते हैं। ठीक है। आपमें से कई लोगों ने फर्टाइल क्रीसेंट शब्द सुना होगा।

इसे जेम्स ब्रेस्टेड द्वारा गढ़ा गया था, जिन्होंने ओरिएंटल इंस्टीट्यूट, शिकागो विश्वविद्यालय की स्थापना की थी। और फर्टाइल क्रीसेंट कृषि योग्य भूमि की एक पट्टी का विचार था जिस पर खेती की जा सकती थी। आप बहुत आराम से रह सकते हैं, जो फारस की खाड़ी से टाइग्रिस-फरात घाटी तक फैला हुआ है, फिर से, नदियों के बीच मेसोपोटामिया भूमि, वृषभ पर्वत, या ज़ाग्रोस पर्वत तक, और फिर नीचे जिसे हम कनान या दक्षिणी लेवंत कहते हैं, और फिर अंततः नील घाटी में भी गिर गया।

इस अर्धचंद्राकार पट्टी को उपजाऊ अर्धचंद्राकार कहा जाता था। यह कमोबेश प्राचीन निकट पूर्व में सभ्यता का उद्गम स्थल था, और इसे समझना बहुत महत्वपूर्ण है।

और आप यहां उस उपजाऊ वर्धमान और उस भूमि पर रहने वाले महत्वपूर्ण साम्राज्यों की एक और तस्वीर देखते हैं। बेशक, आपके पास मेसोपोटामिया में साम्राज्य हैं, जिसके बारे में हम एक अलग व्याख्यान में बात करेंगे, और फिर मिस्र में भी। और उसके ठीक बीच में लेवंत है।

यह इंगित करना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एक भूमि पुल है, एक बहुत ही संकीर्ण भूमि जो मिस्र और मेसोपोटामिया और एशिया माइनर और उससे आगे को जोड़ती है। और इसलिए, इसे एक राजमार्ग के रूप में सोचें। और फिर, एंसन रेनी की पुस्तक, द सेक्रेड ब्रिज, यही संकेत देती है।

जिम मॉन्सन की पुस्तक, द लैंड बिटवीन, इसे समझाने का एक और तरीका है। इन विभिन्न स्थानों से आने-जाने के लिए यह एक गलियारा है। इसलिए, यदि आपके पास अपने प्रभाव का विस्तार करने की भू-राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं हैं तो यह बहुत ही रणनीतिक और महत्वपूर्ण और महत्वपूर्ण है।

तो परिणामस्वरूप, इस पर अनादि काल से संघर्ष होता रहा है और आज भी है। और इसलिए, आपके पास इसके ये संकेतक हैं क्योंकि एक बार जब आप उन्हें खोदेंगे तो आपको सुंदर मंदिर और अवशेष, मिस्र में वास्तुशिल्प अवशेष और मेसोपोटामिया में विशाल अवशेष मिलेंगे। लेकिन भूमि के बीच में, या पवित्र पुल, इस संकीर्ण गलियारे, दक्षिणी लेवंत में, आपके पास अधिकांश भाग के लिए इतनी बड़ी स्थिति में ये व्यापक अवशेष नहीं हैं, क्योंकि इस गलियारे के माध्यम से साम्राज्यों और सेनाओं की निरंतर आवाजाही होती है।, और उनके साथ विनाश और, और, और हिंसा आती है।

तो, यह फिर से एक बहुत ही रणनीतिक स्थान है। यह एक ऐसी भूमि है जिसके लिए अनादि काल से लड़ाई होती रही है। और उम्मीद है कि आप समझ सकते हैं कि क्यों, क्योंकि हर चीज़ का ध्यान यहीं तक पहुँचने पर है।

तुम पूर्व की ओर नहीं जा सकते; वहाँ रेगिस्तान है, और फिर, भूमध्य सागर आपको पश्चिम से रोकता है। और इसलिए यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण रणनीतिक स्थान है। ठीक है, फिर से, दक्षिणी लेवंत, या इज़राइल और फ़िलिस्तीन, जॉर्डन और सिनाई का एक आधुनिक राजनीतिक मानचित्र, और फिर एक अधिक भौतिक मानचित्र।

हम पवित्र भूमि के इन क्षेत्रों को अलग-अलग खंडों या टुकड़ों में देखेंगे और उनके इतिहास और यहां के कुछ महत्वपूर्ण स्थलों का वर्णन करेंगे। फिर, पश्चिम से आने पर, आपके पास पवित्र भूमि में विभिन्न प्रकार के इलाके और जलवायु हैं। हर कोई सोचता है कि पवित्र भूमि एक सूखा और शुष्क रेगिस्तान है।

और यह नहीं है। इसमें से कुछ तो है, लेकिन बहुत कुछ नहीं है। तुम पश्चिम से आते हो, सबसे पहले तुम शेरोन या पलिशती मैदान पर पहुँचते हो।

और फिर आप उस पर प्रहार करते हैं जिसे शेफेला या निचला क्षेत्र, तराई क्षेत्र कहा जाता है। और फिर, यह इसके ऊपर के पहाड़ी देश के परिप्रेक्ष्य से है। यह वास्तव में घाटियों वाली तलहटी है।

और वह पुराने नियम के अधिकांश भाग के लिए एक सीमावर्ती क्षेत्र है। तुम पूर्व की ओर बढ़ते रहो और तुम्हारे पास पहाड़ी प्रदेश है, जिसे हिब्रू में हरीम कहा जाता है। और वह यिज़्रेल घाटी तक यहूदा, एप्रैम, मनश्शे आदि का पहाड़ी देश है।

और फिर उसके बाद, आपके पास वर्षा छाया है, जो यहां एक यहूदी रेगिस्तान है। और उसके उत्तर में, कमोबेश, जॉर्डन घाटी में बस एक ढलान। तो, उत्तर की ओर, आपके पास माउंट

कार्मेल है, जो वास्तव में एक पर्वतमाला है जो उत्तर-पश्चिम की ओर भूमध्य सागर के ऊपर एक बिंदु की ओर इशारा करती है।

आरंभिक मिस्रवासी इसे मृग की नाक कहते थे। फिर आपके पास प्रसिद्ध जेजेरेल घाटी, बाइबिल आधारित आर्मागेडन है, जो वास्तव में अक्को के मैदान से रिफ्ट घाटी या जॉर्डन घाटी तक एक अंतरराज्यीय राजमार्ग की तरह है। और तट से जॉर्डन घाटी तक आसानी से पहुंचने का यही एकमात्र रास्ता है।

इसके अलावा, आपको पहाड़ों के ऊपर से भी जाना होगा। फिर, यह बहुत ही रणनीतिक और कुछ ऐसा है जो हर कोई चाहेगा। उसके उत्तर में, आपके पास निचला और ऊपरी गलील है।

हम उसे कुछ मिनटों में खोल देंगे। निचली गलील, फिर से, पूर्व-पश्चिम घाटियों की एक श्रृंखला है। ऊपरी गलील एक ढालदार और पहाड़ी क्षेत्र है जिसका ढलान उत्तर में लतानी नदी तक है, जो फिर से आधुनिक लेबनान में है।

अब, पूर्व की ओर, हम आगे बढ़ते हैं, और हमारे पास वह जगह है जिसे रिफ्ट वैली कहा जाता है। वह रिफ्ट घाटी लेबनान-विरोधी पहाड़ों से शुरू होती है और हुला झील, गैलील सागर, जॉर्डन नदी, मृत सागर और अरवाह से होते हुए अकाबा या इलियट की खाड़ी तक जाती है, और फिर नीचे की ओर जाती है। अफ्रीका, जहां यह जारी है। और यह एक बहुत बड़ी, बहुत बड़ी गिरावट है।

यह एक बहुत बड़े अवसाद की तरह है। पुनः, मृत सागर का स्तर पृथ्वी पर पानी के ऊपर सबसे निचला बिंदु है। अब, यह दो प्लेटों का मिलन है, अफ्रीकी प्लेट और एशियाई प्लेट।

ये प्लेटें फिर से खिसकती हैं और उत्तर और दक्षिण की ओर बढ़ती हैं, और इससे भूकंपीय गतिविधि पैदा होती है। तो, पवित्र भूमि में भूकंपीय गतिविधि का बहुत बड़ा इतिहास है। आखिरी बड़ा भूकंप 1927 में आया था, मेरा मानना है कि 1927 या 1929 में, और घरों और संपत्ति को जबरदस्त नुकसान हुआ था।

और, पूरी गतिविधि के दौरान, प्राचीन काल में, बड़े पैमाने पर भूकंपों की बहुत सारी रिकॉर्डिंग हुई है। निःसंदेह, सबसे प्रसिद्ध आमोस 1:1 में है, जहां आमोस ने अपनी भविष्यवाणी, समय के साथ अपनी भविष्यवाणी का खुलासा किया है, जिसका उल्लेख वह भूकंप के बाद करता है। और यह उज्जिय्याह के शासनकाल के दौरान आया भूकंप था जिसने इतना नुकसान किया, शायद लगभग 760, 750 ईसा पूर्व।

31 ईसा पूर्व में एक और घटना हुई थी, और हमने कई स्थानों पर उससे नुकसान देखा, जिसमें खिरबेट कुमरान भी शामिल था, वह बस्ती जहां एस्सेन्स रहते थे, जिन्होंने मृत सागर स्क्रॉल की नकल की थी। यहां उन उप-क्षेत्रों का फिर से एक और विवरण दिया गया है। अब यहाँ पर, आप पूर्व की ओर बढ़ते हैं, और आप एक पठार पर आते हैं।

दक्षिणी जॉर्डन या मध्य जॉर्डन में, आपके पास बाइबिल आधारित हामी तट, टेबल लैंड है, जो लगभग 2,500 फीट है, जो मोटे तौर पर पहाड़ी देश, पहाड़ों की चोटियों के समानांतर है। और फिर आपके पास निचला और ऊपरी गिलियड है, जो पहाड़ी है, और फिर बाशान, जिसे आज गोलान हाइट्स कहा जाता है। पुनः, बहुत ज्वालामुखीय क्षेत्र, बहुत ऊबड़-खाबड़, लेकिन उपजाऊ भी, यदि आप कर सकते हैं, यदि आप इस पर खेती कर सकते हैं।

दक्षिण की ओर, आपके पास बाइबिल आधारित अर्नोन नदी, वादी मुजीब है, और आपको करक पठार है, जिसे फिर से डेबोन और करक पठार कहा जाता है, जो अर्नोन नदी में फैला हुआ है। और फिर दक्षिण में बाइबिल के एदोम में, जो ऊंचे, पहाड़ी, न्युबियन बलुआ पत्थर के पहाड़ हैं, जो फिर से, बहुत शुष्क हैं, लेकिन पहाड़ों की चोटियां लगभग 3,500 फीट तक ऊंची हैं, जिससे खेती की अनुमति मिलती है। और इसलिए, शुरुआती एडोमाइट्स इसका उपयोग करेंगे, और जैसे-जैसे हम इसे जारी रखेंगे, हम इसे खोलेंगे।

यहां एक राहत मानचित्र दिखाया गया है, जो कि बहुत गहरी दरार घाटी है, जो यहां से होकर गुजरती है, जो जॉर्डन के पश्चिम में सिजॉर्डन को ट्रांसजॉर्डन से अलग करती है। हमारी मदद करने के लिए वहां मौजूद अच्छी तस्वीरें। ठीक है।

फिर, दो प्लेटों के बीच अंतर, अफ्रीकी प्लेट, और एशियाई, क्षमा करें, अरब प्लेट या ट्यूनीशियाई प्लेट। और फिर, इलाके के क्रॉस सेक्शन और वहां की ऊंचाई और स्थलाकृति में अंतर। ठीक है।

इज़राइल की भूमि के विभिन्न नाम और सीमाएँ थीं। बाइबिल में कनान की भूमि की एक सीमा थी, जिसमें स्पष्ट रूप से, ट्रांसजॉर्डन शामिल नहीं था, लेकिन इसमें गोलान हाइट्स, बाइबिल बाशान, सीरिया तक भी शामिल था। और यह कनान की बाइबिल भूमि का एक निर्धारण था।

और यहाँ हमारे पास 12 जासूसों की कुछ, कुछ यात्राएँ हैं जो ऊपर जा रहे हैं और भूमि की जाँच कर रहे हैं। ठीक है। पुराने नियम में यहूदी राजतंत्र की अवधि के दौरान, अपने चरम पर, इज़राइल ने एक बहुत बड़े क्षेत्र को घेर लिया, सीरिया तक, यहाँ तक कि फ़रात नदी तक भी।

दाऊद और सुलैमान ने इन राज्यों के साथ संधियाँ और समझौते किये, जिससे भूमि का बहुत विस्तार हुआ। और फिर, बाद में, विभाजित राजशाही के दौरान, वह सिकुड़ गया, विशेष रूप से, सीरियाई साम्राज्य का विस्तार होना शुरू हो गया। इज़राइल की भूमि या बाइबिल की भूमि में प्राचीन काल में एक व्यापक सड़क नेटवर्क था।

जिन सड़कों को हमें मुख्य रूप से ट्रांसजॉर्डन में इंगित करने की आवश्यकता है, वे किंग्स हाईवे हैं, जिनका नाम उन चार राजाओं के नाम पर रखा गया है जिन्होंने उत्पत्ति 14 में आकर मैदान के शहरों पर हमला किया था। लेकिन इसके बाद, फिर से, उच्च भूमि और, और अंदर, में, मोआब, एदोम और फिर अम्मोनी क्षेत्र और उससे भी आगे। उसके पूर्व में, जो यहाँ नहीं दिखाया गया है, जिसे हम रेगिस्तानी रास्ता या रेगिस्तानी राजमार्ग कहते हैं।

मूसा के साथ इस्राएलियों का यही मार्ग था। वे राजा के राजमार्ग पर जाना चाहते थे जहाँ उन्हें खिलाने के लिए बहुत सारा पानी और अनाज था, लेकिन उन्हें ऐसा करने की अनुमति नहीं थी।

और इसलिए, उन्हें रेगिस्तानी राजमार्ग पर जाना पड़ा, जिसे पार करना आसान है, लेकिन सूखा है, और रेगिस्तानी रास्ते पर पानी की कमी है।

लेकिन वैसे भी, ये दो उत्तर दक्षिण मार्ग हैं। कई पूर्व-पश्चिम मार्ग हैं, लेकिन सिज़र्जॉर्डन में सबसे महत्वपूर्ण उत्तर-दक्षिण मार्ग को पितृसत्ताओं का मार्ग या पितृसत्ताओं का मार्ग कहा जाता है। और यह बेशेबा से लेकर दोतान तक फैला हुआ है और फिर वहां से आगे बढ़ता है।

और यह पहाड़ी देश की रीढ़ है। और यदि आप उसके पश्चिम में और उसके पूर्व में जाने की कोशिश करते हैं और उत्तर और दक्षिण में जाने की कोशिश करते हैं, तो यह बहुत मुश्किल है क्योंकि आप बस वाडिस के अंदर और बाहर ऊपर और नीचे जा रहे हैं। लेकिन यह सिसर्जॉर्डन में कुछ उत्तर-दक्षिण मार्गों में से एक प्रदान करता है।

मुख्य मार्ग, फिर से, तटीय मार्ग है, जिसे अक्सर लैटिन में समुद्र का रास्ता या मैरिस के माध्यम से कहा जाता है, लेकिन यह उत्तरी सिनाई का अनुसरण करता है और तट के ठीक ऊपर या तट के करीब, टूट जाता है और गलील सागर में चला जाता है और दमिश्क की ओर। तो यह बुनियादी सड़क नेटवर्क और उप-नेटवर्क है जहां आपके पास विभिन्न दिशाओं में जाने वाली छोटी सड़कें हैं। गलील का उपग्रह दृश्य.

आप यहां अक्को के मैदानों के साथ-साथ हाइफ़ा और अक्को के आधुनिक शहर भी देख सकते हैं। रोश हानिक्रा, जो यहां टायर की सीढ़ी है। फिर, गलील का सागर।

आप इसे बहुत अच्छी तरह से नहीं समझ सकते हैं, लेकिन आप इनमें से कुछ पूर्व-पश्चिम घाटियों और पहाड़ों को पूर्व की ओर गलील सागर की ओर जाते हुए देख सकते हैं। अब, हम इसके बारे में बात करेंगे या इस पर और स्लाइड देखेंगे, लेकिन हवा भूमध्य सागर से आएगी और इन घाटियों से होकर बहेगी, एक प्रकार की पवन सुरंग बनाएगी, गलील सागर के पार जाएगी, और वहां ढलान से टकराएगी गोलान हाइट्स बहुत उथल-पुथल का कारण बनती है। या हम इसे गलील सागर में झील को हिलाने के लिए तूफ़ान या बहुत उग्र, अशांत पानी के रूप में समझेंगे।

और निःसंदेह, यह उन तूफ़ानों के पीछे की व्याख्या है जिन्हें शिष्यों को सुसमाचार में बताया गया है कि जब वे मछली पकड़ रहे थे। ऐसा उन घाटियों में भूमध्य सागर से आने वाली हवाओं के कारण होता है। ठीक है, गलील क्षेत्र फिर से यहाँ अक्को का मैदान है।

हम यहां माउंट कार्मेल से उत्तर की ओर अक्को और फिर सीमा, इज़राइल और लेबनान के बीच की आधुनिक राजनीतिक सीमा की ओर देखते हुए एक तस्वीर ले रहे हैं। यह मूल रूप से इस स्थान की एक तस्वीर है, जिससे हमें यह समझ आता है कि यह कैसा दिखता है। और फिर, टायर की सीढ़ी, यहाँ इस बिंदु पर सीमाएँ हैं, और यह यहाँ अक्को के उत्तर में भूमध्य सागर को दिखाती है।

अब, यहाँ समुद्र तट के पीछे एक तलहटी क्षेत्र है जिसे इज़राइल का शेफेला या गलील का शेफेला कहा जाता है। राजशाही के समय यह सीमावर्ती क्षेत्र था। हमारे पास दो प्रसिद्ध ग्रंथ हैं, 1 राजा 9 और 2 इतिहास 8, जिसमें सुलैमान ने सोर के राजा हीराम के साथ एक समझौता किया था।

और सोर का राजा हीराम, सुलैमान को उसके महलों और मन्दिरों के निर्माण के लिए विशेषज्ञता, वास्तुकला और देवदार प्रदान कर रहा था। और सुलैमान को उसे भुगतान करना पड़ा, और इसलिए उसने कबाल नामक कुछ भूमि उसे दे दी। और यह हमेशा बाइबिल के व्याख्याकारों के लिए एक महत्वपूर्ण विषय रहा है।

पूरी तरह से इसका क्या मतलब है? इसका मतलब बेकार ज़मीन या कुछ और हो सकता है। और कबाल की भूमि, हीराम को जो कुछ मिला, उससे वह प्रसन्न न हुआ। लेकिन 1980, 1990 के दशक में, एक इजरायली पुरातत्ववेत्ता ज़वी गैल ने ऑलिव के शीर्ष, होर्वाट रोश ज़ायित नामक स्थान की खुदाई की।

और उनका मानना है कि उन्होंने बाइबिल के कबाल को उजागर कर दिया है। और यह सुलैमान के समय का एक किला था। सवाल यह है कि क्या यह फोनीशियन था? क्या यह हीराम की ओर से था या यह सुलैमान की ओर से था? लेकिन एक बहुत ही महत्वपूर्ण स्थल, इज़राइल और फोनीशिया के बीच इस सीमा क्षेत्र में गलील में 10वीं शताब्दी का स्थल।

यह हाइफ़ा का दृश्य है, जिसे अक्सर आधुनिक इज़राइल का सैन फ्रांसिस्को माना जाता है। और फिर, प्राचीन काल में, जहां आज हाइफ़ा है वहां वास्तव में बहुत अधिक गतिविधि नहीं थी। शहर माउंट कार्मेल की घाटियों और उसके आसपास अधिक थे, जरूरी नहीं कि उस पर ही हों।

हमने पहले अक्को के बारे में बात की थी। पुनः, यह माउंट कार्मेल की ओर दक्षिण की ओर देख रहा है। और अक्को, फिर से, एक फोनीशियन और बहुत महत्वपूर्ण ऐतिहासिक शहर है।

हम यहां जो देख रहे हैं वह क्रूसेडर अवशेष है। यहां एक क्रूसेडर महल और शहर था। क्रूसेडर साम्राज्यों के पतन के बाद वास्तव में आखिरी बार पतन हुआ।

और नेपोलियन ने वास्तव में यहाँ तुर्क सेनाओं के विरुद्ध लड़ाई लड़ी थी। और पूर्व में एक पहाड़ी है जिसे नेपोलियन की पहाड़ी कहा जाता है, जहाँ उसका तोपखाना था। और यह वास्तव में प्राचीन अक्को का भी एक प्राचीन विवरण है।

यहाँ ऊपरी गलील की कुछ तस्वीरें हैं। और आप इस तरह की खड़ी ढलान देख सकते हैं। फिर, यह नीचे की ओर ढल जाता है, और ढाल का शीर्ष उत्तर की ओर थोड़ा नीचे की ओर ढल जाता है। फिर, यह लेबनान में लतानी नदी में मिल जाती है।

अब, यह आज भी, बहुत अधिक आबादी वाला नहीं है, घनी आबादी वाला नहीं है। लेकिन 1950 के दशक में, हमारे शुरुआती इज़राइली भूगोलवेत्ता योहानान अहरोनी ने एक पुरातात्विक सर्वेक्षण किया, जो इस क्षेत्र में सबसे पहले में से एक था, और प्रारंभिक आयरन। गांवों का पता लगाया। और उन्होंने, फिर से, गलील में प्रारंभिक इज़राइली बस्ती वाले गांवों के रूप में उनकी पहचान की और उसे हिब्रू में प्रकाशित किया।

उन्होंने 1950 के दशक के अंत में अपना शोध प्रबंध प्रकाशित किया। इसलिए, उन्होंने यहां अग्रणी कार्य किया और अन्य लोगों ने उनका अनुसरण किया और ऐसी और भी साइटें ढूंढीं। यह ऊपरी गलील, केदेश के शहरों में से एक है, जिसकी खुदाई की गई है।

और वह, फिर से, लौह युग है, लेकिन फ़ारसी काल और हेलेनिस्टिक युग भी है। बाराम ऊपरी गलील में दूसरा मंदिर और बाद का स्थल है। और यह उन दो आराधनालयों में से एक है जो प्राचीन काल में बाराम में थे।

उस आराधनालय के मुखौटे का जीर्णोद्धार कर दिया गया है, वह अभी भी खड़ा है। मोंटफोर्ट कैसल, पवित्र भूमि में कूसेडर महलों में से एक, निश्चित रूप से खंडहर में, लेबनानी सीमा के बहुत करीब है और वहां उग आया है। निचली गलील में, फिर से, आपको ये घाटियाँ और पर्वतमालाएँ मिली हैं।

इसलिए, यह खेती और निपटान के लिए अधिक अनुकूल है और पूरे इतिहास में इसे बड़े पैमाने पर बसाया गया है। घाटियों में से एक और फिर वहां के आधुनिक शहरों में से एक और वहां चल रही कुछ कृषि की अच्छी तस्वीर। योडफ़ैट या जोतापाटा एक शहर है जिसका उल्लेख जोसेफस द्वारा यहूदियों के युद्धों में किया गया है।

वह वास्तव में यहां के नेताओं में से एक थे। विश्वास करें या न करें, यह एक समय एक विशाल शहर, चारदीवारी से घिरा शहर था, और आज खंडहर में एक बंजर पहाड़ी की चोटी है। और उसकी खुदाई भी हो चुकी है।

लेकिन 66 से 70 ईस्वी में रोम के खिलाफ यहूदी विद्रोह के दौरान एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल। गलील के एक अन्य महत्वपूर्ण शहर को हिब्रू में सेफ़ोरिस या ज़िपोराह कहा जाता था। यह एक ऐसा शहर था जो ईसा मसीह के समय फल-फूल रहा था और नाज़रेथ से कुछ ही मील की दूरी पर था।

सेफ़ोरिस के उस समय नाज़रेथ एक प्रकार का शयनकक्ष समुदाय था जिसे हम शयनकक्ष समुदाय कहते हैं। विडंबना यह है कि इस खूबसूरत, भव्य ग्रीको-रोमन शहर का उल्लेख गॉस्पेल में नहीं है, न ही मेरा मानना है कि तिबेरियास का उल्लेख है, जो एंटीपास के तहत गैलील की राजधानी थी। तो, फिर से, गॉस्पेल बहुत केंद्रित थे।

और क्या यीशु यहाँ सेफ़ोरिस आये थे ? उसके पास अवश्य होना चाहिए। लेकिन सुसमाचार में इसका उल्लेख नहीं है। लेकिन फिर भी यह एक अविश्वसनीय शहर है।

कुछ विद्वानों का सुझाव है कि जोसेफ और जीसस दोनों ने यहां राजमिस्त्री के रूप में, कारीगर के रूप में काम किया और इस खूबसूरत शहर का निर्माण किया। हम बस नहीं जानते, लेकिन हम केवल अनुमान लगा सकते हैं। आज, सेफ़ोरिस एक खंडहर नाज़रेथ है।

बेशक, ईसा मसीह से जुड़े होने के कारण यह एक बड़ा शहर है। यह ईसा मसीह के समय के नाज़रेथ गांव का एक आधुनिक मनोरंजन है। और उन्होंने आधुनिक शहर के ठीक मध्य में एक आराधनालय और कुछ घरों का पुनरुत्पादन करके बहुत अच्छा काम किया है।

नाज़ारेथ से, आप दक्षिण में यिज़्रेल घाटी की ओर देख सकते हैं। यहां का खूबसूरत नजारा. और यहां का सुंदर आकार का पहाड़ माउंट ताबोर है, जो न्यायाधीश 5 में प्रसिद्ध है, निस्संदेह, डेबोरा और बराक ने सिसैरा और कनानी गठबंधन को हराया था।

यह उस स्थान के पास भी है जहां आराधनालय, नाज़रेथ की आबादी, आराधनालय में उनकी घोषणा के कारण यीशु को चट्टान पर फेंकना चाहती थी। यह काना का एक आधुनिक शहर है, जरूरी नहीं कि चमत्कार वहीं हुआ हो, लेकिन यह उसकी एक तस्वीर है। वहाँ एक खंडहर है जिसके बारे में अधिकांश विद्वान काना का वास्तविक स्थल मानते हैं।

सफ़त संभवतः एक पहाड़ी पर स्थित बाइबिल शहर है। फिर, निचले गलील में इन शहरों में से एक एक पहाड़ी की चोटी पर है। सुंदर शहर, कारीगर शहर और कबालीवादी यहूदी रहस्यवाद का केंद्र।

और हमारे यहां विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों के खंड हैं, जिनमें ग्रेट रिफ्ट वैली भी शामिल है। गलील का सागर, योम किनेरेट, एक वीणा के आकार का है। गलील सागर प्राचीन काल से ही आसपास के खेतों के लिए पानी, सिंचाई का स्रोत रहा है और मछली पालन के लिए जाना जाता है।

तो, आपको प्राचीन काल में इसके तटों के आसपास एक बहुत समृद्ध सभ्यता मिली है। और, निःसंदेह, हम इसे ज्यादातर यीशु और शिष्यों और उनके कस्बों, मगदला, कफरनहूम और बेथसैदा की सुसमाचार कथाओं से जानते हैं। अब, गलील की झील मीठा पानी है; यह ताज़ा पानी है, लेकिन यह समुद्र तल से भी नीचे है।

यह उस दरार घाटी में है, और आपको गलील सागर के थोड़ा उत्तर में, दरार समुद्र तल से नीचे गिरती है, और फिर मृत सागर तक गिरती रहती है, जो फिर से, सबसे निचला बिंदु है पृथ्वी, पृथ्वी पर शुष्क बिंदु और बिना किसी आउटलेट के। तो, मृत सागर अत्यधिक खारा है। गलील सागर और उसके आसपास की कुछ और तस्वीरें।

गलील सागर के उत्तर में, आपके पास वह जगह है जिसे हुला झील या हुला बेसिन कहा जाता है, और यहां हुला झील की एक उत्कृष्ट पुरानी तस्वीर है। इसके साथ समस्या यह है कि यह बहुत दलदली था, और यह मूल रूप से मच्छरों और मलेरिया के लिए एक आदर्श प्रयोगशाला थी। और इसलिए, जब यहूदियों ने फ़िलिस्तीन में आप्रवासन का अपना रास्ता शुरू किया, तो उन्होंने इस ज़मीन को अनुपस्थित ज़मींदारों से बहुत सस्ते में खरीदा और बड़ी लागत और कष्ट सहकर इस दलदल को सूखा दिया, लेकिन दलदल को सूखा दिया और इसे खेती के लिए उपजाऊ क्षेत्र में बदल दिया।

और इसका कुछ भाग आज भी प्रवासी पक्षियों आदि के लिए एक प्रकार के राष्ट्रीय उद्यान के रूप में बना हुआ है। तो, इसमें से कुछ अभी भी बचा हुआ है, लेकिन इसका अधिकांश भाग सूखा

हुआ है और आज खेती की जाती है। बीटिच्यूड्स पर्वत से गलील सागर की शानदार तस्वीर, वहां का इटालियन चर्च, गोलान हाइट्स तक दिखता है।

आप उस ढाल को फिर से देख सकते हैं जहां हवा पश्चिम से आती है और उससे टकराती है और फिर झील के चारों ओर घूमती है और तूफान का कारण बनती है। और फिर, झील के अन्य दृश्य। हम इसे एक मिनट में देखेंगे, लेकिन यहां कुछ ऐतिहासिक स्थलों का अच्छा दृश्य है।

यह वही है, ठीक है, हम यहां से शुरुआत करेंगे, हार्न्स ऑफ हैटिन, कार्नेई हैटिन के साथ। यहीं पर जेरूसलम के लैटिन साम्राज्य की क्रूसेडर सेना को सलादीन ने 1187 में, वास्तव में 4 जुलाई, 1187 को हुए इस महाकाव्य युद्ध में निर्णायक रूप से हराया था। क्रूसेडर्स अपने साथ पर्याप्त पानी नहीं लाए थे और प्यास से मर रहे थे।

वे गलील का सागर देख सकते थे, लेकिन मुस्लिम सेना ने उनका रास्ता रोक दिया। ये है माउंट अर्बेल, जो एक तरह से इजराइल के जिब्राल्टर की चट्टान है। और ऊपर से अविश्वसनीय दृश्य, इजराइल की पूरी भूमि को देखने के लिए यह मेरी पसंदीदा जगहों में से एक है।

गेनेसर का मैदान है, जो उस अंतरराष्ट्रीय राजमार्ग या वाया मैरिस का हिस्सा है, जो वहां से तट से होकर दमिश्क तक आता है। तो यहाँ उन दो साइटों में बहुत सारा इतिहास है। वहाँ माउंट आर्बेल की चोटी है।

दृश्य को देखें और आप इस साइट से यीशु मसीह के संपूर्ण गैलीलियन मंत्रालय को देख सकते हैं और उस पर चर्चा कर सकते हैं और बता सकते हैं कि यीशु ने कहाँ-कहाँ दौरा किया था। मगडाला, कफरनहूम, बेथसैदा इत्यादि। गलील में कुछ महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थल दान और हासोर हैं।

यह हासोर में दान और क्षेत्र ए में ऊंचा स्थान है, जिसमें एक गेट कक्ष है, एक छह कक्ष वाला गेट, जो सोलोमन के समय का है। माउंट हर्मन इजराइल का सबसे ऊंचा स्थान है और ज्यादातर समय बर्फ से ढका रहता है। किंवदंती है, और मेरा मानना है कि जोसेफस ने इसका उल्लेख किया है, कि हेरोदेस महान मंदिर में मेहमानों का मनोरंजन करता था, और उसके पास समूह या कार्यकर्ता होते थे जो माउंट हर्मन के शीर्ष पर जाते थे, बर्फ और बर्फ के विशाल खंडों को काटते थे, और उन्हें अंदर डालते थे यरूशलेम तक पूरे रास्ते वैगनों और ढोना ताकि वे मेहमानों का मनोरंजन करते समय अपने नींबू पानी या आइस्ट चाय में बर्फ ले सकें।

और बर्फ का टुकड़ा पाने का यह एक कठिन तरीका है, लेकिन उन्हें यही करना था। यिज्रेल घाटी का फिर से शानदार दृश्य। फिर, माउंट ताबोर, मोरेह की पहाड़ी।

मेरा मानना है कि यह हेरोड घाटी और माउंट गिल्बोआ के रास्ते पर है। तो फिर, इस दृष्टिकोण से बाइबिल के इतिहास का एक अविश्वसनीय दृश्य। और फिर, आपको समुद्र तट से आने वाली अक्को घाटी मिलेगी, अक्को का मैदान, इस संकरी गंदगी से होकर, और फिर यिज्रेल घाटी, जो फिर से इतिहास में प्रसिद्ध है।

और वैसे, मुझे लगता है कि घुड़सवार सेना पर आखिरी हमला, प्रथम विश्व युद्ध में ओटोमन्स और ब्रिटिश सेना अभियान बल के बीच यिज़्रेल घाटी में घुड़सवार सेना की लड़ाई थी। यह हेरोड घाटी है और फिर नीचे बीट शान और रिफ्ट या जॉर्डन घाटी की ओर है। यह माउंट ताबोर की प्रारंभिक तस्वीर है जिसे रंगीन किया गया है।

माउंट ताबोर एक कनानी था, जो कनानी लोगों के लिए पवित्र था। इसका आकार एक महिला के स्तन जैसा है, खूबसूरती से सममित है, और इसे एक प्रजनन प्रकार के स्थान के लिए पूजा स्थल के रूप में देखा जाता था। और शीर्ष पर एक रोमन मंदिर है, संभवतः गॉस्पेल में परिवर्तन के स्थलों में से एक।

अन्य लोग कहते हैं कि यह माउंट हर्मन होगा। हम यह निश्चित रूप से नहीं जानते। लेकिन आधुनिक समय में भी, इज़राइली जोड़े वहां जाते थे और स्मूच करते थे, चुंबन करते थे और न जाने क्या-क्या करते थे, क्योंकि यह आधुनिक समय में भी, प्रजनन क्षमता के विचार का एक प्रकार का स्थान था।

और वह माउंट ताबोर है। और सबसे महत्वपूर्ण, हालाँकि, यह वह स्थान था जहाँ इस्राएली आये थे। इस्राएल की जनजातियाँ उस पहाड़ की चोटी पर एकजुट हुईं और, दबोरा और बराक के नेतृत्व में, नीचे आईं और कनानियों को हरा दिया, जिनके रथ किशोन नदी में फंस गए थे और चल नहीं पा रहे थे।

माउंट कार्मेल, फिर से, ताबोर जैसा पहाड़ नहीं है। माउंट कार्मेल वास्तव में एक पर्वतमाला है, और पर्वतमाला का अंत, फिर से, आप चित्र के दाईं ओर देख सकते हैं, यह अक्को का एक विमान है जो माउंट कार्मेल की ओर देख रहा है। माउंट कार्मेल की कुछ अन्य तस्वीरें और निश्चित रूप से एलिजा की एक मूर्ति भी हैं।

पूर्व में हेरोड घाटी में जा रहे हैं, और फिर यह यहाँ दरार है, जॉर्डन घाटी, आपको यहाँ माउंट गिल्बोआ मिला है, यहीं पर शाऊल और उसके बेटे मारे गए थे, और तेल यिज़्रेल, जो एक ओमराइड था, वास्तव में एक सैन्य चौकी थी या वह किला और महल जिसकी खुदाई लगभग 30 साल पहले की गई थी, और वहाँ पर नई खुदाई जारी है। तो, फिर से, यहाँ एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण है क्योंकि यहाँ आपको बाइबिल का बहुत सारा इतिहास मिलेगा। यिज़्रेल झरना, नाबोथ अंगूर का बाग, यहीं इसी क्षेत्र में कहीं था।

उन्हें शराब के कोल्हू मिले, बहुत बड़े-बड़े दाखमधु के कोल्हू, तो शायद यह नाबोथ की भूमि थी जिसे अहाब चाहता था। अहाब और इज़ेबेल, उनके महल, यहीं थे। ऐन हारोद, हम उसकी ओर तस्वीरें देखेंगे, वह स्थान था जहाँ गिदोन ने मिद्यानियों से लड़ने के लिए अपनी सेना चुनी थी।

फिर, गिलबोआ पर्वत, शाऊल और उसके पुत्रों की मृत्यु का स्थान है, जब वे पलिशियों के विरुद्ध लड़े थे। यिज़्रेल में खुदाई के कुछ नज़दीकी दृश्य। इसमें हेरोड के झरने का क्लोज़अप है।

आप आज जा सकते हैं, जैसा कि ये इज़रायली सैनिक कर रहे हैं, और फिर से बना सकते हैं कि गिदोन ने अपने लोगों को कैसे चुना। तो, हम देखते हैं कि भौगोलिक संदर्भ, फिर से, पुरातत्व को

एक प्रकार का फ्रेम, एक चित्र फ्रेम देता है, जिसमें हम सेटिंग, इन साइटों और घटनाओं के क्षेत्रीय संदर्भ को समझते हैं। माउंट गिल्बोआ का उत्कृष्ट दृश्य, जैसा कि आज दिखता है।

ठीक है, और हेरोद घाटी पश्चिम की ओर देखते हुए हेरोद घाटी में समाप्त होती है, लेकिन यह जॉर्डन घाटी में समाप्त होती है। और यहाँ एक प्रमुख शहर है. हमने यह चित्र बीट शान के चित्रण के लिए देखा है। और फिर, जब पलिशियों को शाऊल का शव और योनातान का शव मिला, तो उन्होंने उन्हें बेत शान पर अपने मंदिर की दीवार से लटका दिया।

याबेश गिलाद के लोगों ने उन शवों को बचाया और उन्हें जला दिया। बीट शान, फिर से, पुराने टेस्टामेंट में बल्कि नए टेस्टामेंट में भी एक प्रमुख शहर था। यह प्रमुख में से एक है, शायद वाया , वाया नहीं , बल्कि सिथोपोलिस का कार्टो मैक्सिमस , बीट शान का ग्रीको-रोमन नाम है।

और यहाँ दूरभाष है। देखो यह ग्रीको-रोमन शहर के ऊपर कितना ऊंचा है। यह तेल के शीर्ष पर है , और यह एक कनानी मंदिर है जिसकी खुदाई स्वर्गीय कांस्य काल से की गई है।

यह डॉ. जेफरी हडॉन और बाइबिल पुरातत्व पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 5, भौगोलिक क्षेत्र, भाग 1 है।